राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र
National Informatics Centre

डिजिटल
संस्करण

हिन्दी पत्रिका

2024

"एन.आई..सी. तेलंगाना राज्य इकाई, हैद्राबाद"

पेशकश
श्री अजय मधुकर जोशी

डिजिटल संसकरण हिन्दी पत्रिका

श्री अजय मधुकर जोशी
amjoshi[at]nic[dot]in
(040) 23494718

संपादकीय

प्रिय पाठकों,

आज के तेजी से बदलते दौर में, हमारी समाज और देश के सामने कई चुनौतियाँ खड़ी हो रही हैं। चाहे वह आर्थिक अस्थिरता हो, पर्यावरणीय संकट, या सामाजिक असमानता, हर समस्या का प्रभाव हम सभी पर पड़ता है। ऐसे में, हम सभी का कर्तव्य बनता है कि हम एकजुट होकर इन चुनौतियों का सामना करें और एक बेहतर भविष्य का निर्माण करें।
हमारा प्रयास हमेशा यही रहा है कि हम आपको सटीक और महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करें, जो न केवल आपको जागरूक बनाए बल्कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित भी करे। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, हमने इस अंक में कई विषयों को शामिल किया है जो वर्तमान समय में अत्यधिक प्रासंगिक हैं।

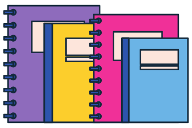

इस अंक में, जो हमारा पहला अंक है राष्ट्रीय विज्ञान केंद्र तेलंगाना द्वारा पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग (AHDD&F), तेलंगाना सरकार को दी जाने वाली सेवाओ का संकहीपट वर्णन , हिन्दी भाषा पर एक सुन्दर सी कविता , कुछ AI टूल्स को शामिल किया गया है । आशा है आप सबको पसंद आएंगे । अंत में, हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप हमें अपने विचार और सुझाव भेजते रहें। आपकी प्रतिक्रिया हमारे लिए अमूल्य है और हमें बेहतर बनाने में मदद करती है।
आशा है कि इस अंक को पढ़ने के बाद, हम अपनी जिम्मेदारियों को और भी अधिक समझेंगे और अपने योगदान से देश को एक बेहतर स्थान बनाने में मदद करेंगे।

श्री अजय मधुकर जोशी
उप महा निदेशक & राष्ट्रीय सूचना विज्ञान अधिकारी
एन.आई..सी. तेलंगाना राज्य इकाई, हैद्राबाद

विश्वास रखें

उत्सुक बनें

दृढ़ रहें

व्यस्त रहे

राजभाषा को दृढ़ निश्चय और संकल्प की आवशयकता है।

सितम्बर **14, 2024**

अन्नपूर्णा
ई.पी.डी.एस.

अभिवादन

तीन अक्टूबर का वह दिन हम कभी भूल नहीं पाएंगे । संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण का पत्र हमारे कार्यालय को आया । ऑलिक कमिटी के सदस्यों का दिल धक से रह गया। संसदीय राजभाषा समिति द्वारा किए जाने वाले निरीक्षण के बारे मे बहुत सुना था, पर अब हमारी बारी थी । चीजों को इकट्ठा किया जाने लगा । मीटिंगे हुई । फाइले बनी । सब कुछ खोकला था । मुझे जब से याद है, हम औलिक के सदस्यों ने राजभाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के बहुत प्रयास किए । समय समय पर प्राज्ञ परीक्षा के लिए कर्मचारियों को नामांकित किया गया । 60% के ऊपर लोग परीक्षा पास भी हो गए । सबको इन्क्रिमेंट भी मिल गई, पर मजाल है कि कोई कार्यालय में रोजमर्रा का काम हिन्दी में कर दे । सिर्फ कमेटी के सदस्य हिन्दी में काम करते थे। नियमानुसार कार्यशालाए होती, ऑलिक की बैठके होती त्रै- मासिक रिपोर्ट भरी जाती, पर हिन्दी में काम की जिम्मेदारी सिर्फ ऑलिक के सदस्यों की होती ।
यह जानकार आश्चर्य होगा की हिन्दी दिवस के लिए होने वाले कार्यक्रम मे लोगों को पकड़ पकड़ कर लाना पड़ता । हाँ, हिन्दी दिवस हम हमेशा धूम धाम से मनाते । अतिथि आते, हिन्दी का महत्व बताते, चाय नाश्ता होता, सब सुनते और बस फिर वही के वही रह जाते ।
अब ऐसी परिस्थितियों मे संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण का सामना करना था । हमारे कार्यालय अध्यक्ष श्री अजय मधुकर जोशी जी हाल ही में तबादले पर आए थे । उनके आए सिर्फ एक महीना हुआ था । समस्या को उनके सामने रहा गया । उन्होंने चीजों को समझा और पूरी ईमानदारी से तैयारी करने को कहा।
22 अगस्त का वह दिन विजयवाड़ा मे 2.30 बजे हमारे कार्यालय की बारी आई । हम सब घबराए हुए थे । संसदीय राजभाषा समिति के सदस्यों ने कई प्रश्न किए और राजभाषा नियमों के पालन में हुई कमियों का उल्लेख किया और स्पष्टीकरण मांगा । हमारे कार्यालय अध्यक्ष श्री अजय मधुकर जोशी जी ने कमेटी को बताया की उन्हे आए सिर्फ एक महीने हुआ है और उन्होंने राजभाषा के नियमों को अच्छी तरह से पढ़ा और समझा है । समिति को उन्होंने आश्वासन दिया की वे जल्द ही इन नियमों का पालन करेंगे और कार्यालय मे भी सभी नियमों का अनुपालन होगा ।

सारे कर्मचारी परेशान , औलिक समिति परेशान पर जोशी जी टस से मस न हुए। इन प्रयत्नों के बाद हमारी जुलाई से सप्टेंबर की रिपोर्ट 20% से बढ़कर 45% हो गई । यह कम था क्योंकि हमने जुलाई और अगस्त में हिन्दी में कुछ भी काम नहीं किया था । 2.30 का सत्र 100 दिन तक चलाया गया। शुरू के दिनों मे सारे कर्मचारियों ने ऑलिक समिति को बहुत बुरा बहाल कहा । पर धीरे धीरे सब इसके आदि हो गए क्योंकि कोई पर्याय नहीं था । समय के साथ सब हिन्दी के आदि हो गए और सबका आत्मविश्वास भी बढ़ गया । अक्टूबर से दिसम्बर की त्रैमासिक रिपोर्ट मे हमारा % बढ़कर 80% हो गया ।
अब हमे हिन्दी मे काम करने की आदत हो गई है, और सभी कर्मचारी अपना 100% काम हिन्दी मे करते है। विश्वास नहीं होता जो जोशी जी ने कर दिखाया है। ये उनके दृढ़ निश्चय और संकल्प का ही नतीजा है कि अब हिन्दी हम सबके रगों मे बस्ती है, और हम सब इस बात पर गर्व करते है ।
यह लेख सभी कार्यालयों के लिए एक सीख है जो हिन्दी मे काम करने के लिए झूज रहे है हम चाहे तो सब कुछ कर सकते है और बात जब हमारी राजभाषा की हो तो हम कैसे पीछे रह सकते है । राजभाषा मे काम करना हमारे लिए गर्व का विषय है ।
जीवन में दृढ़ संकल्प का बहुत महत्व होता है। उसी पर हमारे जीवन की आधारशिला टिकी होती है। जब हम किसी कार्य को करने की तीव्र इच्छा बनायेंगे, उसके प्रति दृढ़ संकल्प भी बनाना होगा। जब संकल्प दृढ़ होगा तो, तीव्र प्रयत्न होगा और हम वैसे ही बन जायेंगे। अब अगर हमारी इच्छा मंद मंद हो, निर्णय भी कमजोर होगा और प्रयत्न भी मंद मंद होगा, परिणाम में कुछ हाथ न आयेगा। ये भलीभांति समझ लें कि निश्चय को दृढ़ करने से जीवन में परिवर्तन आता है, जीवन बनता है। कोई भी ज्ञान उपयोग में तब आता है जब हम उस ज्ञान के अनुसार निर्णय लेते हैं। उस पर दृढ़तापूर्वक चलने से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है और जीवन बदल जाता है

हिंदी सीखने के लिए आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स (एआई) टूल्स: एकत्वरित मार्गदर्शिका

-रविबंडी ,वैज्ञानिक-सी ,

आर्टिफीसियल इंटेलिजेन्स (एआई) ने भाषा सीखने में क्रांति ला दी है, और हिंदी कोई अपवाद नहीं है। कई एआई-संचालित उपकरण इस सुंदर भाषा में महारत हासिल करने के आकर्षक और प्रभावी तरीके प्रदान करते हैं।आइए कुछ लोकप्रिय विकल्पों को जाने :

1. सामान्य भाषा सीखने के मंच। सशक्त हिंदी पेशकश के साथ :

वाक् पहचान, संश्लेषण, अनुकूली शिक्षा और व्यक्तिगत सामग्री सिफारिशों जैसी विशेषताए।

- डुओलिंगो:अपने गैमीफाइड दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। हिंदी पाठ्यक्रम, इंटरैक्टिव सबक और प्रगति ट्रैकिंग की सुविधा देता है ।

  वेबसाइट: **https://www.duolingo.com**
- मेमराइज़: हिंदी पाठ्यक्रम के साथ शब्दावली सीखने के लिए स्पेस्ड रिपीटिशन उपलब्ध ।

  वेबसाइट: **https://www.memrise.com**
- रोसेटा स्टोन: हिंदी पाठ्यक्रम के साथ इमर्शन लर्निंग पर ध्यान केंद्रित करता है।

  वेबसाइट: **https://www.rosettastone.com**
- बब्बेल: उच्चारण सुधारने के लिए इंटरेक्टिव पाठों को स्पीच रिकग्निशन के साथ जोड़ता है।

  वेबसाइट: **https://www.babbel.com**

2. संभावित हिंदी समर्थन के साथ एआई-संचालित भाषा सीखने के उपकरण:

हालांकि इन उपकरणों में समर्पित हिंदी पाठ्यक्रम नहीं होते हैं, लेकिन इनका उपयोग सामान्य भाषा सीखने और शब्दावली निर्माण के लिए किया जा सकता है, जिसे हिंदी में लागू किया जा सकता है।

- अंकी: एक लोकप्रिय फ्लैशकार्ड ऐप स्पेस्ड रिपीटिशन का उपयोग करता है। इसका उपयोग हिंदी में शब्दावली निर्माण के लिए प्रभावी रूप से किया जा सकता है।

  वेबसाइट: **https://apps.ankiweb.net**
- ग्रामरली: मुख्य रूप से अंग्रेजी लेखन के लिए जाना जाने वाला ग्रामरली का उपयोग हिंदी पाठ में संभावित त्रुटियों का विश्लेषण करने के लिए किया जा सकता है ।

  वेबसाइट: **https://www.grammarly.com**

3. अतिरिक्त AI-संचालित संसाधन:

भाषा विनिमय ऐप: Tandem या HelloTalk, AI-संचालित अनुवाद और वाक् पहचान सुविधाएँ के साथ साथ भाषा विनिमय के लिए मूल हिंदी बोलने वालों से जोड़ते हैं।

अनुवाद उपकरण: Google अनुवाद, DeepL और अन्य AI-संचालित अनुवाद उपकरण हिंदी पाठ को समझने और अपनी शब्दावली में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग (AHDD&F), तेलंगाना सरकार

-टी बाला सुंदरम,वरिष्ठ निदेशक (आईटी)

पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग (AHDD&F), तेलंगाना सरकार, राज्य स्तर पर एक प्रशासनिक विभाग है जो निम्नलिखित विभागों के माध्यम से जनता को अपनी सेवाएं प्रदान करता है-

1. पशु चिकित्सा और पशुपालन विभाग (VAHD), तेलंगाना
2. तेलंगाना भेड़ और बकरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड (TGSGDCFL)
3. तेलंगाना डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड
4. तेलंगाना मत्स्य पालन विभाग
5. पी.वी. नरसिंह राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय (PVNR-TVU)

एन.आई.सी-तेलंगाना ने पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन विभाग (एएचडीडीएंडएफ), तेलंगाना सरकार के लिए निम्नलिखित अनुप्रयोगों को सफलतापूर्वक डिजाइन और डिजिटलीकृत किया है।

तेलंगाना भेड़ एवं बकरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड (टी.जी.एस.जी.डी.सी.एफएल)

उद्देश्य : 2017 में, तेलंगाना सरकार ने चरवाहों को सहायता देने और उनके कल्याण को बढ़ाने के लिए "भेड़ पालन विकास योजना (SRDS)" की शुरुआत की। NIC, तेलंगाना को SRD योजना के कार्यान्वयन को बढ़ाने के लिए सॉफ़्टवेयर बनाने का काम सौंपा गया था। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र तेलंगाना ने 'e-LAABH (लाभ प्रबंधन प्रणाली)' वेब मॉड्यूल का सफल डिज़ाइन, विकास और परिनियोजन किया । इस प्रणाली ने सब्सिडी स्वीकृति और भेड़ इकाई वितरण प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करके, चरवाहों के लिए कल्याण पहलों में अधिक निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करके TGSGDCFL विभाग की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार किया है।

विशेषताएं
- ऑनलाइन कार्यवाही
- भुगतान गेटवे इंटरफ़ेस की सुविधा
- ऑनलाइन चालान
- एसएमएस एकीकरण

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग (वीएएचडी), तेलंगाना-दूध प्रोत्साहन

उद्देश्य : तेलंगाना राज्य के छोटे और सीमांत डेयरी किसानों को 4/- रुपये प्रति लीटर के नकद प्रोत्साहन के भुगतान के लिए एक कार्य-प्रवाह आधारित वेब मॉड्यूल डिजाइन, विकसित और सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया, जो तेलंगाना राज्य में निम्नलिखित डेयरियों को दूध की आपूर्ति करते हैं

1. टीजीडीडीसीएफ (तेलंगाना राज्य डेयरी विकास सहकारी संघ लिमिटेड)
2. नार्मुल डेयरी
3. करीमनगर मिल्क प्रोड्यूसर्स कंपनी लिमिटेड
4. मुलकनूर महिला डेयरी

विशेषताएं
- बल्क मिल्क कूलिंग यूनिट्स (बीएमसीयू) द्वारा मासिक रूप से डाले जाने वाले दूध के आंकड़ों को एकत्रित करने और व्यवस्थित करने का प्रावधान।
- नोडल अधिकारी बीएमसीयू द्वारा एकत्रित आंकड़ों का अनुमोदन

प्रत्येक किसान को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि का विवरण देते हुए मासिक रिपोर्ट तैयार करना।

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग (वीएएचडी), तेलंगाना

उद्देश्य :वीएचएमएस एक वेब एप्लीकेशन है जिसे वीएएचडी विभाग द्वारा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (ईओडीबी) पहल के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है। यह पशु चिकित्सा अस्पतालों के प्रमुख कार्यों को सुव्यवस्थित करता है, जिसमें रोगी पंजीकरण, दवा सूची प्रबंधन, दवा जारी करना, निदान, बिलिंग और प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) रिपोर्ट तैयार करना शामिल है। इस उपकरण का उद्देश्य विभाग के अधिकारियों के लिए अस्पताल सेवाओं में निगरानी और दक्षता बढ़ाना है।

इस प्रणाली का उद्देश्य पशु चिकित्सा अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा मैन्युअल कार्यों पर खर्च किए जाने वाले समय को कम करना है, जिसमें पालतू जानवरों के उपचार, जिला स्टोर से प्राप्त दवा और औषधि, स्टॉक प्रविष्टियाँ, दवा उपयोग और दवाओं के संतुलन का वास्तविक समय के आधार पर ऑनलाइन रिकॉर्ड बनाए रखना शामिल है।

विशेषताएं
• अस्पताल में ऑनलाइन रोगी पंजीकरण
• उपचार के लिए रोगी की कई बार पुनः यात्रा
• दवाओं की सूची तंत्र
• निदान / परीक्षण विवरण कैप्चर करना
• 23 मापदंडों के आधार पर फीडबैक रिकॉर्डिंग (जैसे अतिरिक्त पंजीकरण शुल्क लिया जाना, मुफ्त दवाएं उपलब्ध न कराना, डॉक्टर सेवा की गुणवत्ता आदि)

मत्स्य विभाग, तेलंगाना

उद्देश्य: टी-मत्स्य एक वेब-आधारित मत्स्य सूचना प्रबंधन प्रणाली है जिसे तेलंगाना सरकार के मत्स्य विभाग और तेलंगाना राज्य मछुआरा सहकारी समिति संघ लिमिटेड, हैदराबाद द्वारा कार्यान्वित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं से संबंधित डेटा को कैप्चर करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य उच्च स्तर की निष्पक्षता और पारदर्शिता के साथ राज्य में मछली पकड़ने वाले समुदाय के कल्याण का समर्थन करना है।

टी-मत्स्य एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसे पूरे राज्य में साल भर मछली पकड़ने की गतिविधियों के दौरान विभाग के अधिकारियों और मछुआरों का समर्थन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसका उद्देश्य बैकवर्ड और फॉरवर्ड दोनों तरह के लिंकेज को सुविधाजनक बनाकर उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ावा देना है। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली मछुआरों और मछुआरिनों की आजीविका को बेहतर बनाने और उनकी आय बढ़ाने में मदद करती है।

विशेषताएं
• आधार नंबर का उपयोग कर डी-डुप्लीकेशन
• यह सुनिश्चित किया जाता है कि प्रत्येक मछुआरा समाज और जिले में केवल एक ही व्यक्ति पंजीकृत हो।
• विभिन्न विकास गतिविधियों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने और लक्षित करने के लिए जल निकाय संसाधनों और समाजों का एक डेटाबेस स्थापित किया गया है।
• खुदरा बाज़ारों, सामुदायिक हॉल और बर्फ संयंत्रों सहित बुनियादी ढाँचे की परिसंपत्तियों पर डेटा एकत्र किया जाता है।
• मत्स्य पालन समितियों, लाभार्थी जनसांख्यिकी और राज्य भर में मछुआरों और मछुआरिनों को प्रदान किए जाने वाले लाभों का विवरण एकत्र किया जाता है।

तेलंगाना डेयरी विकास सहयोग संघ लिमिटेड, (विजया डेयरी)

उद्देश्य :ऑ नलाइन एप्लीकेशन और मोबाइल ऐप को दैनिक दूध खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने और दूध उत्पादकों को पारदर्शी और कुशल तरीके से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) लागू करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विशेषताएं

• दैनिक दूध रिकॉर्डिंग: दूध संग्रह केंद्रों/बीएमसीयू में दैनिक आधार पर दूध की मात्रा और गुणवत्ता मापदंडों (वसा% और एसएनएफ%) को सटीक रूप से रिकॉर्ड करें।
• दैनिक एसएमएस सूचनाएं: दूध उत्पादकों को एकत्रित दूध की मात्रा और उसके गुणवत्ता मापदंडों के बारे में दैनिक एसएमएस अपडेट ।
• पाक्षिक भुगतान अलर्ट: जब उनके खातों में डीबीटी भुगतान किया जाता है, तो दूध उत्पादकों को एसएमएस के माध्यम से सूचित करें।

अनुप्रयोग विकास के अलावा, प्रत्येक विभाग के लिए वेब साइट (सीएमएस) भी विकसित की गई है ।

विभाग	वेब पोर्टल
पशुपालन एवं डेयरी विकास	https://ahddf.telangana.gov.in
पशुचिकित्सा एवं पशुपालन	https://vahd.telangana.gov.in
पी.वी नरसिम्हा राव तेलंगाना पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय	https://tsvu.nic.in/
मत्स्य पालन	https://www.fisheries.telangana.gov.in
टीजी डेयरी	https://tgdairy.telangana.gov.in

आईटी परियोजनाओं के लाभ

- बेहतर डेटा प्रबंधन, बेहतर परिचालन दक्षता और सुव्यवस्थित प्रक्रिया
- आईटी सिस्टम पशु स्वास्थ्य, प्रजनन इतिहास और उत्पादन मीट्रिक के व्यापक रिकॉर्ड को बनाए रखने में मदद करता है ।
- डिजिटल रिकॉर्ड टीकाकरण, उपचार और स्वास्थ्य स्थितियों का बेहतर ट्रैकिंग और प्रबंधन प्रदान करता हैं।
- मछली पकड़ने के डेटा को ट्रैक करने और उसका विश्लेषण करने में मदद करते हैं, जिसमें प्रजातियाँ, मात्राएँ और स्थान शामिल हैं, ताकि टिकाऊ प्रथाओं और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित किया जा सके।

राजभाषा हिंदी

सुमधुर सरल निराली जुबानी है हिंदी।
भारत माता के सुंदर चहरे पेसुहानी बिंदी।
उनके करकमलों पर सजी हुआ मेहंदी।
देश की सभी भाषाओ से है अच्छीजुगलबंदी।

राष्ट्र के अधिकतम लोगों कीमनपसन्दी।
महान संतों ने बरसाए हिंदी मे अमृत बूंदी।
जनता इस्तेमाल कर सकते है बिना पाबन्दी,
सबके प्यार से पाए राजभाषा अपनी बुलंदी।

सारी   बोलियों से आगे खड़ी है जैसे शिवजी की नंदी,
इसकी रोशिनी चमके जैसे चाँद की चाँदनी ।
सभी प्रांतो में हो रही इसकी अमृत तुल्य बूँदा बूँदी ।
किसी भी भाषा की नहीं यह प्रतिद्वंदी।

एस रविंदर
वैज्ञानिकई

कोहरा जो छाया

कोहरा जो छाया
इन वादियों मे,
हर रास्ता खत्म हो जाए
मानो इक क्षण मे ।
हल्की सी रोशनी
चीरकर जो आए ,
रास्ते खुद ब खुद बन जाए ।
जिंदगी मे भी कोहरे
कुछ इसी तरह है बंदों ,
धुंधला हो जाए डगर
मंजिल न मिल पाए अगर ,
विश्वास की इक किरण
जगा लेना मन मे ,
दृढ़ निश्चय इस तरह
भर लेना मन मे ,
के खुद ही गढ़ लेना
हर रास्ता इस चमन मे।

--अन्नपूर्णा